# बिना लाइफ जैकेट के कर रहे बोटिंग

## बडे तालाब के शीतलदास की बगिया घाट पर गंभीर लापरवाही

कंचन शिवपुरिया

**भोपाल, 27 जून. कुछ माह पहले जबलपुर के बरगी डैम में हुए हादसे से राजधानी भोपाल में सबक नहीं लिया गया है. यहां के बड़े तालाब की शीतल दास की बगिया के घाट पर बोटिंग के दौरान गंभीर लापरवाही बरती जा रही है. आलम यह है कि यहां बिना लाइफ जैकेट लोग बोटिंग कर रहे हैं. दूसरी ओर घाट पर भी कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं है. पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर ऐसी ही गंभीर लापरवाही शनिवार को यहां देखने को मिली.**

यहां बड़ी संख्या में लोग बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के तालाब के किनारे बैठते और पानी में उतरते नजर आए. कई जगह बच्चों समेत परिवार पानी के अंदर तक चले गए, लेकिन उन्हें रोकने या सतर्क करने के लिए कोई सुरक्षा कर्मी दिखाई नहीं दिया.

वहीं कुछ नावों में सैर करने वाले लोग बिना लाइफ जैकेट के बैठे मिले. घाट पर प्राथमिक उपचार, एम्बुलेंस या अन्य मेडिकल सुविधा का भी कोई इंतजाम नजर नहीं आया. तालाब किनारे पूजा सामग्री, प्लास्टिक और अन्य कचरा भी फैला मिला, जिससे बड़े तालाब की साफ-सफाई पर भी सवाल उठ रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि छुट्टी के दिनों में यहां काफी भीड़ रहती है. ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो तुरंत मदद पहुंचाना मुश्किल हो सकता है. बच्चों और परिवारों का बिना निगरानी पानी में उतरना भी चिंता की बात है. यहां सुरक्षा घेरा, लाइफगार्ड, चेतावनी बोर्ड और नियमित निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं देखने को मिली.

दूसरी ओर बड़े तालाब के बोट क्लब पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर दिखाई दी. यहां नाव में बैठने से पहले यात्रियों को लाइफ जैकेट दी जाती है. पानी में तय सीमा चिन्हित है और हर समय निगरानी के लिए बचाव नावें तैनात रहती हैं. गोताखोर भी उपलब्ध रहते हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके.

> बोटिंग समिति के प्रबंधक अजय कीर ने बताया कि सभी नाव चालकों के पास जरूरी प्रशिक्षण और गोताखोरी का प्रमाण पत्र है. उनके अनुसार
>
>
>
> पानी में सुरक्षित क्षेत्र तय किया गया है, जहां तक ही बोटिंग की अनुमति है. हर नाव का बीमा कराया गया है और सभी यात्रियों को आईएसआई मानक की लाइफ जैकेट पहनाई जाती है. उन्होंने बताया कि मोटर बोट पर पिछले तीन साल से रोक है, इसलिए अभी बचाव के लिए रोइंग बोट (छोटी नाव) का उपयोग किया जा रहा है. समिति ने प्रशासन से रेस्क्यू के लिए दो मोटर बोट की अनुमति मांगी है ताकि किसी भी आपात स्थिति में और तेजी से मदद पहुंचाई जा सके. उन्होंने कहा कि सुरक्षा के तय नियमों का पालन लगातार किया जा रहा है, लेकिन शीतलदास की बगिया जैसे अन्य घाटों पर भी इसी तरह की व्यवस्था होना जरूरी है.

## तिल के तेल से हुआ बटेश्वर का रुद्राभिषेक

**भोपाल.** श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा शनि प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर का तिल के तेल, काली तिल, पंचामृत भस्म एवं विजया से रुद्राभिषेक कर शनि ग्रह से परेशान जातकों के लिए शनि शांति की प्रार्थना की गई. समिति के संजय अग्रवाल, प्रमोद नेमा ने बताया कि मंदिर में बड़ी संख्या में अपनी कुंडली में शनि दोष से परेशान भक्तजन आते हैं सभी के लिए शनि शांति के लिए प्रदोष काल में रुद्राभिषेक किया गया. साथ ही श्रद्धालुओं ने काले तिल एवं अपराजिता के नीले पुष्प चढ़ाकर शनि शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की. सांयकाल बाबा बटेश्वर का चंदन, विभिन्न प्रकार के पुष्प एवं रत्नों से श्रृंगार कर रात्रि 10 बजे महाआरती की गई. कार्यक्रम में शिशिर मित्तल, अभिषेक लाला आकाश अग्रवाल, मोनू राठौर, प्रकाश मालवीय उपस्थित रहे.

# समयसार कलश विधान में अर्घ्य समर्पित

**भोपाल, 27 जून. राजधानी भोपाल के जैन मंदिर रोड स्थित 'मदनलाल जयंती बाई धर्मशाला' में 'डालचंद कमल श्री बाई सीमंधर मंदिर ट्रस्ट' एवं 'मुमुक्षु मंडल' के तत्वावधान में आयोजित 6 दिवसीय श्री समयसार कलश विधान में श्रद्धालुओं ने अर्घ्य समर्पित किए.**

ज्ञानोदय तीर्थ दीवानगंज के पंडित शुभम शास्त्री ने व्याख्यान में कहा कि सच्चे भावों के साथ की गई परमात्मा की आराधना जीव को आत्मा से परमात्मा बनने की ओर अग्रसर करती है. प्रतिष्ठाचार्य पं. सुनील धवल ने कहा कि परमात्मा की आराधना करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है. महोत्सव प्रभारी पदम जैन एवं प्रवक्ता अरुण वर्धमान ने बताया कि मंत्रोच्चार के साथ मंगल कलश स्थापित कर अष्टद्रव्य से अर्घ्य चढ़ाए गए. रविवार 28 जून को पूर्णाहुति के पश्चात श्री जी की शोभायात्रा निकाली जाएगी. यह शोभायात्रा मदनलाल जयंती बाई की धर्मशाला से प्रारंभ होकर जैन मंदिर होते हुए सीमंधर मंदिर पहुंचेगी.

## पार्श्वनाथ मंदिर में पंचकल्याणक महोत्सव शुरू

**▶ मोक्ष कल्याणक अंतिम मुक्ति का प्रतीक : संभवसागर**

निज संवाददाता

**भोपाल, 27 जून. जवाहर चौक स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार सुबह पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ हुआ. आयोजन 27 जून से 2 जुलाई तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन सुबह 7 से 10, दोपहर 2 से 5 और रात्रि 7 से 10 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे.**

ब्रह्मचारी अविनाश जैन ने बताया कि यह आयोजन जैन धर्म की महत्वपूर्ण परंपरा है, जिसमें प्रतिमा में प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से आध्यात्मिक जागरण किया जाता है.

> मुनिश्री संभव सागर पनागर से हैं और उनकी दीक्षा वर्ष 1999 में आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के सानिध्य में हुई थी. उन्होंने कहा कि वास्तविक सुख भौतिक वस्तुओं में नहीं, बल्कि धर्म, संयम और परमार्थ में है. युवाओं को दिखावे से दूर रहकर आध्यात्म से जुड़ने की प्रेरणा दी.

निर्यापक मुनिश्री संभवसागर महाराज ने अपने प्रवचन में पंचकल्याणक के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह केवल पत्थर को भगवान बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति को स्वयं भगवान बनाने का मार्ग भी दिखाता है. उन्होंने बताया कि गर्भ कल्याणक संसार में रहते हुए भी उससे निर्लिप्त रहने का संदेश देता है, जन्म कल्याणक ईश्वरीय वैभव का प्रतीक है, दीक्षा कल्याणक वैराग्य की ओर प्रेरित करता है, केवल ज्ञान आत्म साक्षात्कार का मार्ग दिखाता है और मोक्ष कल्याणक अंतिम मुक्ति का प्रतीक है.

## भोपाल ओपन कराटे चैंपियनशिप का आगाज़

**भोपाल( खेल प्रतिनिधि ).** सेज यूनिवर्सिटी भोपाल के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार से तीसरी भोपाल ओपन ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2026 की शुरुआत हो गई. प्रतियोगिता में देश के 19 से ज्यादा राज्यों के 450 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं. पहले दिन कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्ग के कुमिते मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाया और कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे. यह प्रतियोगिता सतपुड़ा जिला कराटे संघ, भोपाल ने सेज यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित की है. पहले दिन खिलाड़ियों के बीच जीत के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली.

### एक नजर में

**भोपाल, 27 जून.** अशोका गार्डन के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 'गोद भराई' कार्यक्रम धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ. आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत भगवान के माता-पिता बनने के अवसर पर यह आयोजन किया गया था. धार्मिक अनुष्ठान सौधर्म इन्द्र की प्रत्यक्ष साक्षी में विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया गया.

### नगर में आज

**कथक कार्यशाला समापन**
**समय**-सुबह 10 बजे से, **स्थान**-दुष्यंत कुमार संग्रहालय.

**पंचकल्याणक महोत्सव**
**समय** - 7 बजे से, **स्थान** - श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर जवाहर चौक.

**संभावना गतिविधि**
**समय**- 2 बजे से, **स्थान** - मप्र जनजातीय संग्रहालय

**शालाका चित्र प्रदर्शनी**
**समय**-दोपहर 12 बजे से, **स्थान**-जनजातीय संग्रहालय

**माह का प्रादर्श**
**समय**-सुबह 10 बजे से, **स्थान**-मानव संग्रहालय

**राग यमन कार्यशाला**
**समय**-शाम 5 :30 बजे से, **स्थान**-द आर्ट बैठक हाउस

**यादें निशार साहब**
**समय**- शाम 5 :30 बजे से, **स्थान**- पॉलीटेक्निक कॉलेज सभागार

**पंचम सुभाष म्यूजिक नाइट**
**समय**- शाम 5 :30 बजे से, **स्थान**-ख्याल कला प्रेमियों का (प्रवेश टिकट से)

**भोलेनाथ का जलाभिषेक, हवन**
**समय**: सुबह 11 :30 बजे, **स्थान**: तुरंत महादेव मंदिर इंद्रपुरी

# रिसर्च में एम्स भोपाल को देश में दूसरा स्थान

## एडी साइंटिफिक इंडेक्स रैंकिंग में संस्थान के 183 वैज्ञानिक शामिल

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 27 जून. एम्स भोपाल को चिकित्सा अनुसंधान (मेडिकल रिसर्च) के क्षेत्र में वैश्विक स्तर की एडी साइंटिफिक इंडेक्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में देश में सबसे तेजी से प्रगति करने वाले संस्थानों में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है. संस्थान ने वैश्विक रैंकिंग में 1,235 अंकों की एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है.**

आंकड़ों के अनुसार इस सूचकांक में एम्स भोपाल के कुल 183 वैज्ञानिकों को जगह मिली है. इनमें से 2 वैज्ञानिक दुनिया के शीर्ष

10 प्रतिशत और 31 वैज्ञानिक दुनिया के शीर्ष 30 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं. इसके अलावा 66 वैज्ञानिकों ने शीर्ष 50 प्रतिशत और 139 वैज्ञानिकों ने शीर्ष 70 प्रतिशत वैज्ञानिकों की श्रेणी में स्थान बनाया है. वहीं अगर समग्र प्रदर्शन की बात करें तो एम्स की विश्व रैंकिंग 3,591 है. पूरे एशिया महाद्वीप में इसकी रैंक 1,358 है और भारत के स्तर पर यह 290वें स्थान पर है.

> इसके अतिरिक्त खोज आधारित रैंकिंग में एम्स भोपाल ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. इस गौरवपूर्ण अवसर पर एम्स भोपाल के निदेशक डॉ. माधवानन्द कर ने इस सफलता को एम्स के सभी वैज्ञानिकों डॉक्टरों संकाय सदस्यों शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम बताया. उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य हमेशा से ऐसा अनुसंधान करना रहा है जिसका सीधा फायदा अस्पताल में आने वाले मरीजों को मिले और समाज का कल्याण हो सके.

## साई भोपाल में जूनियर जूडो ट्रायल्स संपन्न

**भोपाल (खेल प्रतिनिधि).** स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) भोपाल में शनिवार को जूनियर पुरुष और महिला वर्ग के ओपन नेशनल जूडो चयन ट्रायल्स का समापन हुआ. पूरे दिन चले मुकाबलों में देश के अलग-अलग राज्यों से आए युवा खिलाड़ियों ने भारतीय जूनियर जूडो टीम में जगह बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया. ट्रायल्स में पुरुष और महिला वर्ग की अलग-अलग वेट कैटेगरी के मुकाबले हुए. खिलाड़ियों ने अपने हुनर, फिटनेस और आत्मविश्वास का अच्छा प्रदर्शन किया. हर मुकाबले में जीत के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिससे चयन प्रक्रिया काफी रोमांचक रही.

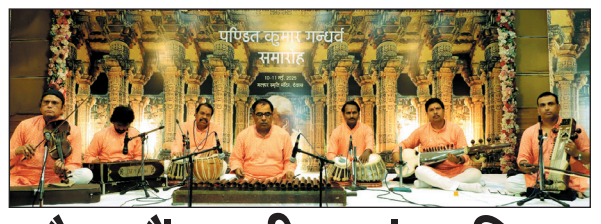


# मैहर बैंड राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल

नवभारत प्रतिनिधि

**भोपाल, 27 जून. मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिली है. सुर सम्राट उस्ताद अलाउद्दीन खान द्वारा स्थापित विश्व प्रसिद्ध मैहर बैंड को भारत सरकार ने राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया है.**

भगोरिया नृत्य और गोंड चित्रकला के बाद यह गौरव हासिल करने वाली प्रदेश की यह तीसरी विधा है. इस सफलता पर संस्कृति विभाग के आला अधिकारियों ने मैहर बैंड के कलाकारों, शासकीय संगीत महाविद्यालय को शुभकामनाएं दी हैं. बता दें मैहर बैंड की स्थापना साल 1918 में मैहर रियासत के राजा बृजनाथ सिंह जूदेव की प्रेरणा से हुई थी. करीब 108 साल पुराने इस अनूठे शास्त्रीय वाद्यवृंद में सितार सरोद हारमोनियम और तबले के साथ कई दुर्लभ वाद्ययंत्र शामिल हैं. वहीं इसका सबसे बड़ा आकर्षण नलतरंग है जिसे उस्ताद अलाउद्दीन खान ने बंदूक की नलियों को काटकर स्वरबद्ध किया था. पूरी दुनिया में नलतरंग एकमात्र ऐसा अनोखा शास्त्रीय वाद्य यंत्र है. मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा संरक्षित इस पहले शास्त्रीय वाद्यवृंद को वर्ष 2016 में शिखर सम्मान से भी नवाजा जा चुका है.

## आदिवासी साहित्यिक महोत्सव आज, होंगी कई प्रस्तुतियां

**भोपाल (सिटी रिपोर्टर).** रविवार को सुबह 9 बजे अखिल भारतीय आदिवासी साहित्यिक महोत्सव का आयोजन मैनिट के ऑडिटोरियम होगा, जिसमें बड़ी संख्या में कलाकार कई प्रस्तुतियां देंगे. यह आयोजन पराक्रम जनसेवी संस्थान तथा 'शिक्षा, पर्यावरण, समानता, सशक्तिकरण, पृथ्वी और प्रकृति के लिए वैश्विक स्वदेशी आवाज' के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है.

# समरदीप ने जीता रजत पदक

खेल प्रतिनिधि

**भोपाल, 27 जून. मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी समरदीप सिंह ने 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया.**

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में चल रही इस प्रतियोगिता के चौथे दिन समरदीप ने 20.40 मीटर का थ्रो कर दूसरा स्थान हासिल किया. इसी प्रदर्शन के साथ उन्होंने एशियाई खेल 2026 के लिए तय क्वालीफिकेशन मार्क भी पूरा कर लिया. 24 से 28 जून तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सर्वश्रेस्ठ एथलीट हिस्सा ले रहे हैं. ऐसे कड़े मुकाबले में समरदीप का पदक जीतना और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करना मध्यप्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है. समरदीप ने पूरे मुकाबले में बेहतरीन लय बनाए रखी और दमदार थ्रो के दम पर पदक अपने नाम किया. उनके प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं.

**साहित्य** | हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं, हमारी भाषा' विषय पर विमर्श

# हिंदी की कभी बराबरी नहीं कर सकती अंग्रेजी

**भोपाल, 27 जून. हिंदी बहुत ही व्यापक और समृद्ध भाषा है. इसका शब्द भंडार विशाल और विराट अक्षर संख्या है. इसके उलट अंग्रेजी में मात्र 26 अक्षर हैं शब्द संख्या कुछ हजारों में ही है.**

ऐसे में सोचिए कि अंग्रेजी कब तक हमारी हिंदी की बराबरी कर पाएगी, यह कहना है मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा का. वे शनिवार को हिंदी भवन में 'हिंदी मेरी नहीं हमारी भाषा' विषय पर आयोजित विमर्श में बोल रहे थे.

विमर्श का आयोजन मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के महिला शक्ति प्रकोष्ठ ने किया था. कार्यक्रम का आरंभ एमएलबी कॉलेज की शोभा मांडवी मिश्रा ने सरस्वती वंदना से किया. कार्यक्रम में समिति के मंत्री संचालक डॉ. विकास दवे, सप्रे संग्रहालय की शोध निदेशक डॉ. मंगला अनुजा एवं लंदन में हिंदी के लिए कार्य कर रहे भोपाल के रितेश निगम भी उपस्थित थे. डॉ. दवे ने साहित्यकारों को सलाह दी कि वे अपनी रचनाओं में दीगर भारतीय भाषाओं के शब्द भी शामिल करें, अंत में उन शब्दों का अर्थ भी स्पष्ट करें इससे हमारी हिन्दी का दायरा बढ़ेगा. कार्यक्रम का संचालन अक्षरा की संपादक जया केतकी, आभार प्रदर्शन महिला शक्ति प्रकोष्ठ की संयोजक अनीता सक्सेना ने किया.